Bhartiya Shodh Patrika
Volume-5, Issue-4 Quarterly (Oct. 2024 to Dec. 2024) ISSN- 2582-6824

समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन करना

मनीष कुमार मौर्य ,
शोधार्थी ,
शिक्षाशास्त्र विभाग ,
टांटिया विश्वविद्यालयराजस्थान ,श्रीगंगानगर ,

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का शीर्षक समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में " है "विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन करना| इस अध्ययन का उद्देश्य समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में सहायक उ□करण, अध्या□न □द्धति, अध्या□न सामाग्री, सम्प्रेषण माध्यम, मूल्यांकन सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन करना है | यह शोध वर्णनात्मक सर्वे प्रविधि है | इस अध्ययन में मुंबई के समावेशीविद्यालयोंका चयन रैंडम सैम्प्लिंग के अंतर्गत लॉटरी सिस्टम से किया गया है |इसमें सुविधाजनक विधि से शिक्षकों 60का चयन किया गया | आँकड़ों का संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली का उ□योग किया गया | शोध के □रिणाम में □ाया गया कि शिक्षकों में विकलांग बच्चों के सहायक उ□करण, अध्या□न □द्धति, अध्या□न सामाग्री संबन्धित जागरूकता का अध्ययन किया गया और जिसमें शिक्षकों की जागरूकता का प्रतिशत क्रमशः 62.08%,47 .08%, 60.62% □ायी गयी |सम्□ूर्ण रू□ से समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता □ायी गयी |

प्रस्तावना

भारतीय संविधान में समता, स्वतन्त्रता, सामाजिक, न्याय एवं व्यक्ति की गरिमा को प्राप्य मूल्यों के रू□ में निरू□ित किया गया है | हमारा संविधान जाती, वर्ग, धर्म, आय एवं लैंगिक आधार □र किसी भी प्रकार के विभेद का निषेध करता है | लोकत्रांतिक समाज की स्था□ना के लिए हमारे संवैधानिक मूल्य स्□ष्ट दिशानिर्देश प्रदान करते है और इस प्रकार एक समवेशी समाज की स्था□ना का आदर्श प्रस्तुत करते हैं |समावेशन की प्रक्रिया में बच्चे को न केवल लोकतंत्र की भागीदारी के लिए सक्षम बनाया जा सकता है, बल्कि यह सीखने एवं विश्वास करने के लिए भी सक्षम बनाया जाता है कि लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए दूसरों के

लिए साथ रिश्ते बनाना, अंर्तक्रिया करना भी समान रू से महत्वपूर्ण है | .एन) .सी .एफ2005,पृष्ठ 96)

उमातुली के अनुसार,समावेशन एक ऐसी प्रक्रिया है", जिसमें प्रत्येक विद्यालय के बालकों की दैहिक, संवेगात्मक तथा सीखने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने संसाधनों का विस्तार करता है |

वर्तमान में विशिष्ट शैक्षिक आवश्यकताओं वाले बालकों के लिए शिक्षा की दो प्रकार की व्यवस्थाए है | एक वह जिन्हे हम विशेष विद्यालय कहते है, जो ज़्यादातर शहरों मे स्थित है | जिनका उद्देश्य केवल एक प्रकार के विशिष्ट बालकों की विशिष्ट शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना है और दूसरा तरिका है कि उन्हे अन्य बालकों के साथ आसपड़ोस के समान्य विद्यालयों में भेजा जाए और वही उनकी विशिष्ट शैक्षिक - आवश्यकताओं को पूरा करने की व्यवस्था कि जायें| इस अवधारणा के साथ समावेशी शिक्षा का आरंभ होता है |

समावेशी शिक्षा

समावेशी शिक्षा से तात्पर्य ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जिसमें कि प्रत्येक बालक को चाहे वो विशिष्ट हो या सामान्य बिना किसी भेदभाव के, एक साथ, एक ही विद्यालय में, सभी आवश्यक तकनीकों व सामग्रियों के साथ, उनकी सीखने के जरूरतों को पूरा किया जायें |(कुमार संजीव,2008)

उद्देश्य

1)समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांग बच्चों के सहायक उपकरण सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन करना |

2)समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांग बच्चों के अध्यापन पद्धति सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन करना |

3)समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांग बच्चों के अध्यापन सामग्री सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन करना |

मुख्य शब्द की व्याख्या

समावेशी विद्यालय- इस अध्ययन में ऐसा समावेशी विद्यालय जिसमे सामान्य और विकलांग बच्चे एक साथ और एक ही कक्षा मे पढ़ते है |

समावेशी विद्यालयों के शिक्षक- इस अध्ययन में ऐसे शिक्षक जो समावेशी विद्यालयों मे कार्यरत है जिसे किसी भी प्रकार के विकलांगता का औ□चारिक प्रशिक्षण नहीं प्राप्त हुआ है|

शिक्षकों में विकलांगता की जागरुकता - इस अध्ययन में शिक्षक के विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता में शिक्षण □ध्दति, शिक्षण सामग्री, संप्रेषण माध्यम, मूल्यांकन और सहायक□करण का समावेश है |

अनुसंधान प्रश्न -

• समावेशी विद्यालयों केशिक्षको में विकलांग बच्चों के सहायक □करण सम्बन्धित जागरुकता का प्रतिशत कितना है (%)?

•समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांग बच्चों के अध्या□न □द्धति सम्बन्धित जागरुकता का प्रतिशत कितना है(%)?

•समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांग बच्चों के अध्या□न सामग्री सम्बन्धित जागरुकता का प्रतिशत कितना है(%)?

संबन्धित साहित्य का □नरावलोकन

श्रीवास्तव, □ी॰)2008 (अवरेनेस ऑफ टिचर्स इन स्□शल स्कूल एंड □रेंटस ऑन स्कीमस, फ़ैसिलिटिस एंड कनसेसन फॉर □रसोनस विथ हियरिंग इम□रमेंट, इस अध्ययन मे अध्या□को को लिया गया था जो कम से कम दो वर्ष से स्□शल 56 स्कूल मे □ढ़ा रहे है और अभिभावकों जिसके बच्चे श्रवण बाधित है और 56 वर्ष है 18 से 12 जिनका आयु| अध्ययन से □ाया गया कि अध्या□क और अभिभावकों के मध्य समुचित जागरूकता का अभाव है |

अवरेनेस अबाउट लर्निंग डिसएबिलिटीज़ एमंग द प्राइमरी स्कूल टिचर्स, के अध्ययन मे वर्णात्मक अनुसंधान का प्रयोग किया | अध्ययन में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षको को लिया गया | जिसमे तिरुवेरुंबूर ब्लॉक के तिरुचिरप□ाल्ली के 80 सरकारी स्कूलो को शामिल किया गया-सरकारी और गैर| अध्ययन मे लॉटरी विधि द्वारा स्कूलो का चयन किया गया 16| जिसमे शिक्षकों को शामिल किया गया 71| अध्ययन से □ाया गया कि 66.2% शिक्षकों को अधिगम अक्षमता के बारे मे जानकारी नहीं है |

स्टडि ऑफ अवरेनेस ऑफ लर्निंग डिसएबिलिटीज़ एमंग एलीमेंट्री स्कूल टीचर, इस अध्ययन में वर्णात्मक अनुसंधान का प्रयोग किया गया है | यह अध्ययन चंडीगढ़

के प्राथमिक विद्यालय के शिक् 50षको □र किया गया |जिसमे 5– वर्ष तक के 10 अध्ययनरत शिक्षको को शामिल किया गया| अध्ययन मे प्रश्न शामिल किया 20 गया| अध्ययन से □ाया गया कि अध्या□को को अधिगम अक्षमता के बारे में अल□ ज्ञान हैं |

न्यार्दश

प्रतिदर्श को न्यादर्श भी कहते हैं | न्यादर्श जनसंख्या का वह छोटा भाग है जिसे अनुसंधनकर्ता के द्वारा वास्तविक अध्ययन के लिए चयनित किया जाता है |

न्यादर्श तकनीकी

प्रस्तुत लघु शोध में सरल रैंडम न्यादर्श प्रविधि के अंतर्गत लॉटरी विधि द्वारा स्कूलों का चयन किया गया | स्कूलों का चयन होने के बाद सुविधाजनक विधि से न्यादर्श का चयन किया गया।

उ□करण का विकास

उ□रोक्त सारणी के अनुसार प्रश्नावली तैयार किया गया | प्रश्नावली में तिन क्षेत्रों के लिए ३० प्रश्नों को शामिल किया गया | प्रत्येक क्षेत्र के लिए १०प्रश्न १०- तैयार किया गया और प्रत्येक प्रश्न के चार विकल□ दिये गए हैं |

आँकड़ों का संकलन

आँकड़ों का संकलन प्रस्तुत लघुशोध का एक भाग हैं | जिसमें अनुसंधानकर्ता मुंबई के समावेशी विद्यालय केशिक्षकों को उ□करण)प्रश्नावली(दि गयी, जिसके माध्यम से आँकड़ो का संकलन किया गया | आँकड़ो का संकलन समावेशी विद्यालय के 60 शिक्षकों से प्राप्त किया गया|

आँकड़ों का विश्लेषण

आँकड़ा संकलन की प्रक्रिया □ूरी करने के बाद आँकड़ों का विश्लेषण किया गया| आँकड़ों का विश्लेषण स्वयं शोधकर्ता द्वारा किया गया | इस प्रकार से समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन किया गया|

- **अनुसंधान प्रश्न**

  समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांग बच्चों के सहायक उ□करण सम्बन्धित जागरुकता का प्रतिशत कितना है (%) ?

सारणी 4. 1समावेशी विद्यालयों केशिक्षको में विकलांग बच्चों के सहायक उ□करण सम्बन्धित जागरुकता को दर्शाया गया है |

क्षेत्र	शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों में जागरूकता		शिक्षकों में जागरूकता का अभाव	
		शिक्षक	प्रतिशत (%)	शिक्षक	प्रतिशत (%)
सहायकउ□करण	60	37	62.08	23	37.92

विवेचना

उ□रोक्त सारणी यह दर्शाता है कि समावेशीविद्यालयोंके60 शिक्षकों में से 37(62.08% प्रतिशत(शिक्षको में विकलांग बच्चों के सहायक उ□करण सम्बन्धित जागरुकता □ायी गयी और 23(37.92%) शिक्षकों में जागरूकता का अभाव □ाया गया | इस अध्ययन में सहायक उ□करण के अंतरगत श्रवण यंत्र, ब्रेल □स्तकें, □ेंसिल ग्रि□, अलार्म घड़ी, आवाज उत्□ादक उ□करण, ब्रेल स्लेट और स्टायलस □ेन, आवर्धक लेंस, श्रवण यंत्र का रखरखाव को शामिल किया गया जिसमें शिक्षकों की - 85 जागरूकता क्रमशः%,90 %,60 %,48.33%,58 .33%,68 .33%,31 .67%,55 % □ायी गयी |

चित्र

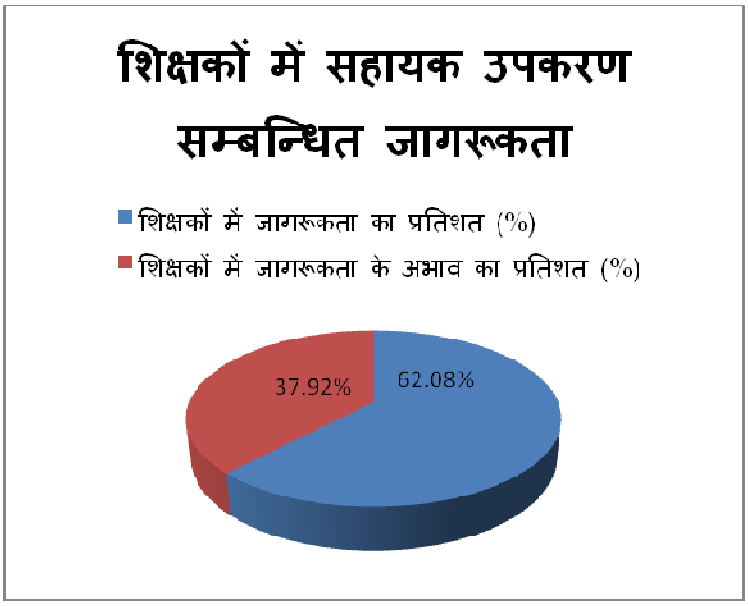

सारणी

क्षेत्र	शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों मेंजागरूकता		शिक्षकों मेंजागरूकता	
		शिक्षक	प्रतिशत (%)	शिक्षक	प्रतिशत (%)
अध्या□न □द्धति	60	28	47.08	32	52.92

विवेचन

उ□रोक्त सारणी यह दर्शाता है कि समावेशीविद्यालयोंके60 शिक्षकोमें से 28(47.08%)प्रतिशत विकलांगबच्चोंकेअध्या□न □द्धतिसम्बन्धितजागरुकता □ायी गयीऔर 32(52.92%) प्रतिशत शिक्षकों में जागरूकता का अभाव □ाया गया |इस अध्ययन में अध्या□न □द्धतिके अंतरगत व्याख्यान □द्धति, एममेंटेरनल).एम.आर. (रेफ्लेक्ति्व मेथड, श्रखला □द्धति, भेट □द्धति, सामाजिक विज्ञान □ढ़ाने की □द्धति, कार्य विश्लेषण □द्धति, दृष्टि बाधित बच्चों को □ढ़ाने की □द्धति और संरचनात्मक □द्धति को शामिल किया गया जिसमें शिक्षकों की जागरूकता का प्रतिशत क्रमशः 73.33%,28 .33%,60 %,26.67%,45 %,33.33%,50 %,65 % □ायी गयी | जिसके अनुसार शिक्षको में व्याख्यान □द्धति, श्रखला □द्धति, दृष्टि बाधित बच्चों को □ढ़ाने की □द्धति और संरचनात्मक □द्धति में जागरूकता अधिक □ायी गयी तथा एम(मेंटेरनल रेफ्लेक्ति्व मेथड).एम.आर., भेट □द्धति, सामाजिक विज्ञान □ढ़ाने की □द्धति, कार्य विश्लेषण □द्धति में शिक्षकों की जागरूकता कम □ायी गयी |

चित्र 4.2

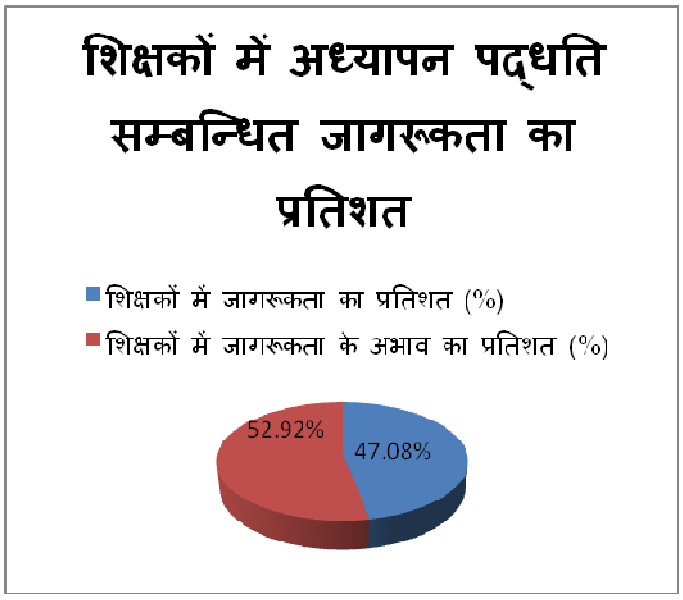

सारणी 4. 3

क्षेत्र	शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों मेंजागरूकता		शिक्षकों मेंजागरूकता का अभाव	
		शिक्षक	प्रतिशत (%)	शिक्षक	प्रतिशत (%)
अध्या□नसामग्री	60	36	60.62	24	39.38

विवेचन

उ□रोक्त सारणी यह दर्शाता है कि समावेशीविद्यालयोंके60 शिक्षकोमें से 36(60.62%) प्रतिशत विकलांगबच्चोंकेअध्या□न सामाग्रीसम्बन्धितजागरुकता□ायी गयी और 24(39.38%) प्रतिशत शिक्षकों में जागरूकता का अभाव □ाया गया |इस अध्ययन में अध्या□न सामाग्री के अंतरगत मानसिक मंद बच्चों के दैनिक जीवन संबन्धित अध्या□न सामाग्री, गणित विषय के लिए अध्या□न सामाग्री, मानसिक मंद बच्चों को □ढ़ाने के लिए अध्या□न सामाग्री, अल□दृष्टि बाधित बच्चों को □ढ़ाने के लिए- अध्या□न सामाग्री, दृष्टि बाधित बच्चों को □ढ़ाने के लिए अध्या□न सामाग्री, मॉडल, श्रवण बाधित बच्चों को □ढ़ाने के लिए अध्या□न सामाग्री को शामिल किया गया जिसमें शिक्षकों की जागरूकता का प्रतिशत क्रमशः 38.33%,68 .33%, 11.67%,76.67%,80 .83%,31 .67%,51 %, □ायी गयी | जिसके अनुसार शिक्षको में गणित विषय के लिए अध्या□न सामाग्री, अल□दृष्टि बाधित बच्चों को □ढ़ाने के - लिए अध्या□न सामाग्री, दृष्टि बाधित बच्चों को □ढ़ाने के लिए अध्या□न सामाग्री, श्रवण बाधित बच्चों को □ढ़ाने के लिए अध्या□न सामाग्री में जागरूकता अधिक □ायी गयी तथा मानसिक मंद बच्चों के दैनिक जीवन संबन्धित अध्या□न सामाग्री, मानसिक मंद बच्चों को □ढ़ाने के लिए अध्या□न सामाग्री, मॉडल में शिक्षकों की जागरूकता कम □ायी गयी |

अध्ययन के □रिणाम

इस अध्ययन में समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता का अध्ययन किया गया | इस अध्ययन में तिन क्षेत्रों को शामिल किया गया | अध्ययन से □ता चला कि शिक्षकों में विकलांग बच्चों के सहायक उ□करण, अध्या□न □द्धति, अध्या□न सामाग्रीसंबन्धित जागरूकता का अध्ययन किया गया

और जिसमें शिक्षकों की जागरूकता का प्रतिशत क्रमशः 62.08%,47 .08%, 60.62%, □ायी गयी | शिक्षकों को सहायक उ□करण, अध्या□न सामाग्री, सम्प्रेषण माध्यम में जागरूकता □ायी गयी| सम्□ूर्ण रू□ से समावेशी विद्यालयों के शिक्षको में विकलांगता सम्बन्धित जागरुकता □ायी गयी |